एंटीस्पास्मोडिक(ऐंठन रोधक) और एंटीएमेटिक्स(उल्टी रोधक)

आँतों की ऐंठन और उल्टी

आँतों की ऐंठन बड़ी या छोटी आँतों का अनियंत्रित मांसपेशी संकुचन है। यह सूजन, पेट की गड़बड़ी, दस्त या कब्ज़ के साथ भी हो सकता है। उल्टी या उत्सर्जन (जिसे वमन के रूप से भी जाना जाता है) पेट की सामग्रियों को ग्रास नली के माध्यम से मुँह से बाहर निकालने के लिए दबाव डालता है।

ये दोनों बीमारियाँ नहीं हैं, लेकिन बहुत सी चिकित्सीय अवस्थाओं के बहुत ही सामान्य लक्षण हैं। आँतों की ऐंठन आम तौर पर आंत्र सिंड्रोम की गड़बड़ी, जठर की सूजन, खाने से एलर्जी और भावनात्मक तनाव से होती है। उल्टी जठर की सूजन, प्रारम्भिक गर्भावस्था में होने वाली सुबह की अस्वस्थता, भोजन विषाक्तता, यात्रा से अस्वस्थता, गंभीर दर्द, माइग्रेन, सिर चकराने के सामान्य लक्षणों में से एक है और कीमोथैरेपी या एनेस्थीसिया की प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं में से एक है। उल्टी की अधिकता से शरीर में पानी की कमी और इलेक्ट्रोलाइट का असंतुलन हो सकता है।

उपचार

आँतों की ऐंठन और उल्टी दोनों के लिए मुख्य उपचार अंतर्निहित कारण का पता लगाना और चिकित्सीय निगरानी में उचित उपचार प्राप्त करना है। जब लक्षण अंतर्निहित कारण के इलाज के बावजूद भी बने रहते हैं, तो एंटीस्पास्मोडिक और एंटीएमेटिक्स दवाओं (रोग-नाशक गोलियाँ) को क्रमशः आँतों की ऐंठन को कम करने या उल्टी में राहत देने के लिए विचार किया जा सकता है। इसके अलावा, एंटीएमैटिक दवाओं का उपयोग उन स्थितियों में उल्टी रोकने के लिए किया जा सकता है, जहाँ इसका पूर्व-अनुमान लगाया जा सकता है, जैसे कि यात्रा से अस्वस्थता, सुबह की अस्वस्थता, कीमोथैरेपी या सर्जरी।

एंटीस्पास्मोडिक्स

एंटीस्पास्मोडिक्स कोमल मांसपेशियों को आराम देता है, जिससे ऐंठन के दर्द से राहत मिलती है। उन्हें दो मुख्य प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है: कोमल मांसपेशियों को आराम देने वाले तत्व जैसे एलेवेरीन और मेबेरिवाइन, और एंटीकोलिनर्जिक्स जैसे कि हायोसाइन।

अधिकाँश एंटीस्पास्मोडिक्स या तो केवल दवाखाने से मिलने वाली दवाएँ हैं या पर्चे पर मिलने वाली दवाएँ हैं। वे खुराक के कई रूपों में उपलब्ध हैं जैसे कि गोलियाँ, कैप्सूल, सिरप, इंजेक्शन और पैच।

एंटीस्पास्मोडिक्स के सामान्य दुष्प्रभाव और सावधानियां

एंटीस्पास्मोडिक्स के प्रकार	सामान्य दुष्प्रभाव	सावधानियां
1. कोमल मांसपेशी को राहत देने वाले तत्व	♦ मितली ♦ सांस-फूलना ♦ सिरदर्द ♦ उनींदापन ♦ चकते और दाने	♦ लकवाग्रस्त आंत्र-अवरोध वाले मरीजों को नहीं दिया जाना चाहिए

2. एंटीकोलिनर्जिक्स	• उनींदापन • कब्ज • तीव्र/अनियमित हृदय गति • मूत्र त्याग की आवश्यकता और ठहराव • धुंधलापन • मुंह का सूखापन • निस्तब्धता	• बच्चों और बुजुर्गों में सावधानी के साथ प्रयोग करें • जठर-ग्रासनली के प्रतिवाह वाले मरीजों, गंभीर हृदयाघात, उच्च रक्तचाप, हाइपरथायरायडिज्म और कोण-बंद के लिए अतिसंवेदनशील मरीजों में सावधानी के साथ प्रयोग करें • मांसपेशी की क्षीणता, जठर निर्गम संकीर्णता, लकवाग्रस्त आंत्र-अवरोध, और प्रोस्टेटिक वृद्धि वाले मरीजों को नहीं दिया जाना चाहिए

एंटीस्पास्मोडिक्स लेने पर सामान्य सलाह

- एंटीस्पास्मोडिक्स मुख्य रूप से स्थायी इलाज के बजाय तत्काल राहत के लिए उपयोग किया जाता है, इसलिए इन दवाओं के अत्यधिक उपयोग से बचना चाहिए।
- चूँकि एंटीस्पास्मोडिक्स लक्षणों को दबा सकते हैं और असली बीमारी का पता लगाने में रुकावट डाल सकते हैं, इसलिए उन्हें चिकित्सीय परामर्श के बिना नहीं लिया जाना चाहिए। अंतर्निहित बीमारी के इलाज में देरी से गंभीर परिणाम हो सकते हैं।
- भोजन को लेने से 30 मिनट से एक घंटे पहले तक या डॉक्टर के निर्देश के अनुसार एंटीस्पास्मोडिक्स लेना उचित है।

एंटीएमेटिक्स

एंटीएमेटिक्स उत्सर्जक से जुड़े रिसेप्टर साइट्स को बाधित करके काम करते हैं। अनेक प्रकार के विकल्प उपलब्ध हैं लेकिन आमतौर पर इस्तेमाल किये जाने वाले एंटीएमेटिक्स में शामिल हैं एंटीहिस्टामाइन्स (जैसे प्रोमेथाजिन और डिमेंहाइड्रिनेट), एंटीकोलिनर्जिक्स (जैसे हायोसाइन), फेनोथियाज़िनेस (जैसे प्रोक्लोरपेरेज़िन), डोपामाइन एंटागोनिस्टस (जैसे मेटोक्लोप्रमाइड और डोमपेरिडोन), और $5HT_3$-रिसेप्टर एंटागोनिस्ट (जैसे ओंडेनसैटरोन और ग्रानिसिट्रॉन)। एंटीएमेटिक्स का विकल्प मुख्य रूप से उल्टी के कारण पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, हायोसाइन और एंटीथिस्टेमाइंस यात्रा की अस्वस्थता को रोकने के लिए उपयोग की जाने वाली प्रमुख दवाएँ हैं, जबकि कीमोथैरेपी प्राप्त कर रहे मरीजों और शल्यचिकित्सा के बाद होने वाली उल्टी के लिए $5HT_3$-रिसेप्टर एंटागोनिस्ट कारगर है।

अधिकाँश इस्तेमाल की जाने एंटीएमेटिक्स या तो केवल दवाखाने से मिलने वाली या पर्चे पर मिलने वाली दवाएँ हैं। वे गोलियों, कैप्सूल, सिरप, इंजेक्शन, सपोसिटरी और पैच के रूप में उपलब्ध हैं। आपको एंटीएमेटिक्स उपचार लेने से पहले स्वास्थ्य विशेषज्ञों से परामर्श करना चाहिए।

एंटीएमेटिक्स के सामान्य दुष्प्रभाव और सावधानियाँ

एंटीएमेटिक्स के प्रकार	सामान्य दुष्प्रभाव	सावधानियाँ

1.	एंटीकोलिनर्जिक्स	♦ उनींदापन ♦ कब्ज ♦ तीव्र/अनियमित हृदय गति ♦ मूत्र त्याग की आवश्यकता और ठहराव ♦ धुंधलापन ♦ मुँह का सूखापन ♦ निस्तब्धता	♦ बच्चों और बुजुर्गों में सावधानी के साथ प्रयोग करें ♦ जठर-ग्रासनली के प्रतिवाह वाले मरीजों, गंभीर हृदयाघात, उच्च रक्तचाप, हाइपरथायरायडिज्म वाले मरीजों और कोण-बंद के लिए अतिसंवेदनशील लोगों में सावधानी के साथ प्रयोग करें ♦ मांसपेशी की क्षीणता, जठर निर्गम संकीर्णता, लकवाग्रस्त आंत्र-अवरोध, और प्रोस्टेटिक वृद्धि वाले मरीजों को नहीं दिया जाना चाहिए
2.	एंटीहिस्टामाइन्स	♦ उनींदापन ♦ सिरदर्द ♦ मुंह का सूखापन ♦ धुंधलापन ♦ कब्ज ♦ मूत्र त्याग की आवश्यकता और ठहराव	♦ बच्चों और बुजुर्गों में सावधानी के साथ प्रयोग करें ♦ प्रोस्टेटिक वृद्धि, मूत्र प्रतिधारण के मरीजों और कोण-बंद के लिए अतिसंवेदनशील लोगों में सावधानी के साथ प्रयोग करें
3.	फेनोथियाज़िनेस	♦ चेहरे और शरीर की आसामान्य गति ♦ नियमित, जीभ, चेहरे और जबड़े की अनैच्छिक गति ♦ कंपकंपी ♦ बेचैनी ♦ नशीलापन	♦ बच्चों और बुजुर्गों में सावधानी के साथ प्रयोग करें ♦ हृदय रोग, पार्किंसंस रोग, मिर्गी, अवसाद, मांसपेशियों की क्षीणता, प्रोस्टेटिक वृद्धि वाले मरीजों और कोण-बंद के लिए अतिसंवेदनशील लोगों के साथ उपयोग में सावधानी बरतें। ♦ केंद्रीय तंत्रिका तंत्र अवसाद और फियोक्रोमोसाइटोमा वाले मरीजों को नहीं दिया जाना चाहिए
4.	डोपामाइन एंटागोनिस्टस	♦ चेहरे और शरीर की असामान्य गति ♦ उनींदापन ♦ हाईपरप्रोलैकटिनिमिया	***मेटोक्लोप्रमाइड के लिए*** ♦ बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों में सावधानी के साथ प्रयोग करें ♦ उच्च रक्तचाप, हृदय चालन की गड़बड़ी और मिर्गी के मरीजों में सावधानी बरतें ♦ जठर-आंत्र रूकावट, छिद्रण या रक्तस्राव और फियोक्रोमोसाइटोमा वाले मरीजों को नहीं दिया जाना चाहिए ***डोमपेरिडोन के लिए*** ♦ बच्चों में सावधानी के साथ प्रयोग करें ♦ प्रोलैक्टिनोमा वाले रोगियों में उपयोग नहीं किया जाना चाहिए

5. $5HT_3$-रिसेप्टर एंटागोनिस्ट	♦ कब्ज ♦ सिरदर्द ♦ निस्तब्धता ♦ टीका लगने के स्थान पर प्रतिक्रिया	♦ आंतों की रुकावट वाले या QT-अंतराल वृद्धि के लिए अतिसंवेदनशील मरीजों में उपयोग में सावधानी बरतें ♦ जन्मजात दीर्घ QT सिंड्रोम वाले मरीजों में उपयोग नहीं किया जाना चाहिए ♦ घातक सेरोटोनिन सिंड्रोम के मामलों को $5HT_3$-रिसेप्टर एंटागोनिस्ट एंटीमेटिक्स के साथ रिपोर्ट किया गया है, खासकर जब अन्य सेरोटोनर्जिक और/या न्यूरोलेप्टिक दवाओं के संयोजन में दिया जाता हैI यदि इस तरह के परिणाम होते हैं तो उपचार बंद किया जाना चाहिए और सहायक लक्षण-सूचक उपचार शुरू किया जाना चाहिए

एंटीएमेटिक्स लेने पर सामान्य सलाह

- एंटीएमेटिक्स मुख्य रूप से स्थायी इलाज के बजाय तत्काल राहत के लिए उपयोग किये जाते हैं, इसलिए इन दवाओं के अत्यधिक उपयोग से बचना चाहिएI
- चूँकि एंटीएमेटिक्स लक्षणों को दबा सकते हैं और असली बीमारी का पता लगाने में रुकावट डाल सकते हैं, इसलिए उन्हें चिकित्सीय परामर्श के बिना नहीं लिया जाना चाहिएI अंतर्निहित बीमारी के इलाज में देरी से गंभीर परिणाम हो सकते हैंI
- एंटीएमेटिक्स लेने के बाद गाड़ी या मशीनरी न चलायें, क्योंकि इनमें से अधिकाँश के कारण उनींदापन हो सकता हैI
- एंटीएमेटिक्स को लेते समय मदिरा सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि उनमें से अधिकाँश में केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को दबाने का प्रभाव होता है और मदिरा इस तरह के प्रभाव को बढ़ा सकती है, जिसके परिणाम हानिकारक हो सकते हैंI
- उल्टी होने के कुछ घंटे बाद तक ठोस आहार लेने से बचें, और ज्यादा आराम करें और निर्जलीकरण को रोकने के लिए थोड़ी-थोड़ी मात्रा में तरल लेते रहेंI
- तेज गंध और अन्य उत्प्रेरक जैसे गर्मी और टिमटिमाती रोशनी से बचें, जिससे उल्टी से राहत मिल सकती हैI

अपने डॉक्टर के साथ संवाद

- एंटीस्पास्मोडिक्स और एंटीएमेटिक्स लेने से पहले चिकित्सीय परामर्श लें, खासकर यदि आप गर्भवती हैं या स्तनपान करवा रही हैंI
- बिना चिकित्सीय परामर्श के बच्चों या बुजुर्गों को एंटीस्पास्मोडिक्स और एंटीएमेटिक्स न दें, क्योंकि वे दवा की प्रतिकूल प्रतिक्रिया के प्रति शीघ्र प्रतिक्रिया देते हैंI
- यदि उल्टी उन दवाओं को लेने का असर है जो आप ले रहे हैं तो अपने डॉक्टर से परामर्श करें और उपचार को खुद ही लेना बंद न करेंI
- यदि आपकी उल्टी हरे रंग या रक्त के साथ है, तो कृपया तुरंत चिकित्सीय सलाह लेंI
- यदि उल्टी 24 घंटे से अधिक समय तक रहती है, या साथ में पेट में गंभीर दर्द या सिरदर्द है या आप 12 घंटे से अधिक समय तक तरलता को रखने में असमर्थ हैं तो तुरंत चिकित्सा लेंI

एंटीस्पास्मोडिक्स और एंटीएमेटिक्स का भंडारण

एंटीस्पास्मोडिक्स और एंटीएमेटिक्स दवाओं को ठंडी और सूखी जगह पर रखना चाहिए। जब तक लेबल पर निर्दिष्ट न हो, दवाओं को रेफ्रीजरेटर में संग्रहित नहीं किया जाना चाहिए। इसके अलावा, बच्चों द्वारा दवाएँ निगलने के खतरे से बचने के लिए दवाओं को बच्चों की पहुँच से दूर रखा जाना चाहिए।

अभिस्वीकृति: औषधि कार्यालय व्यवसायिक विकास और गुणवत्ता आश्वासन (PD&QA) को इस लेख की तैयारी में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद देना चाहता है।

दवा कार्यालय
स्वास्थ्य विभाग
जनवरी 2021